सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 127 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 10 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

मैंने देखा है कि काफी हद तक भाग्य उम्मीद के मुताबिक होता है। अगर आप अधिक भाग्य चाहते हैं तो अधिक जोखिम उठाएं। अधिक एक्टिव रहे। अधिक हिस्सा लें।
-ब्रायन ट्रेसी

रोमांचक मैच में भारत ने पाकिस्तान... 7 | दक्षिण में अब भी अजेय है इंडिया... 3 | अधर में अटकी हुई होगी नई... 2

शपथ लेते ही विपक्ष के निशाने पर आई एनडीए की मोदी सरकार

कश्मीर में आतंकी हमले पर विपक्ष ने घेरा

» मंत्रिमंडल में दिखा सहयोगी दलों का दबाव
» कैबिनेट बनने से पहले ही एनसीपी से अनबन!

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली। इसबार उनके मंत्रिमंडल व सरकार पर गठबंधन का पूरा दबाव दिखा। इसबार पहले के दो कार्यकाल की अपेक्षा मंत्रिमंडल का साइज जम्बो आकार का है। जहां 2014 में 46, 2019 में 58 तो वहीं 2024 में 72 सांसद मंत्री बनाए गए हैं। कुल मिलाकर इस बार बीजेपी नहीं टीडीपी-जदयू व सहयोगी दलों की मदद वाली एनडीए सरकार ने शपथ ली है। उधर पीएम बनने के बाद मोदी ने काम करना शुरू कर दिया है।

हालांकि सरकार बनते ही वह विपक्ष के निशाने पर आ गई है। सबसे पहले तो शपथ वाले दिन जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया। उधर एनसीपी का मंत्रिमंडल में शामिल न होने के फैसले पर भी विपक्ष ने एनडीए सरकार पर सावल उठा दिया है। कांग्रेस समेत कई दलों ने कहना शुरू कर दिया सरकार बनने से पहले ही मतभेद सामने आने लगे हैं ऐसे में सरकार कितने दिन सही चलेगी ये देखने वाली बात होगी। ज्ञात हो कि नतीजे आने के छठे दिन रविवार 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 72 मंत्रियों ने शपथ ली। पीएम के अलावा 60 मंत्री भाजपा और 11 अन्य दलों के हैं। शपथ से पहले एनसीपी कैबिनेट मंत्री की मांग को लेकर सरकार में शामिल नहीं हुई। कुल 71 मंत्री हैं। 2014 में 45 और 2019 में 57 मंत्रियों ने शपथ ली थी। इस बार 30 कैबिनेट मंत्री हैं। 2019 में 24 और 2014 में 23 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली थी। यानी कैबिनेट मंत्रियों की संख्या में 25प्रतिशत का इजाफा है।

शपथ लेते समय ही 10 लोग मारे गए : राउत

शिवसेना नेता संजय राउत ने जम्मू कश्मीर के रियासी में हुए आतंकी हमले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, जब ये शपथ ले रहे थे तब कश्मीर में 10 लोग मारे गए। उन्हें जम्मू कश्मीर और मणिपुर की चिंता नहीं है। गौरतलब हो कि जम्मू कश्मीर के रियासी में रविवार को श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी थी। इसके बाद अनियंत्रित होकर बस खाई में गिर गई. इस हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। राउत ने कहा ये सरकार गुजरात ईस्ट इंडिया कंपनी है।

मोदी सरकार का शांति लाने का छाती ठोकने वाला सारा प्रचार खोखला : खरगे

खरगे ने ट्वीट कर कहा, जब नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार शपथ ले रही है, कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भारत में मौजूद हैं, तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले में कम से कम 10 भारतीयों की जान चली गई। हम इस हमले की निंदा करते हैं और यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का जानबूझकर किया गया अपमान है। खरगे ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा, सरकार और अधिकारियों को पीड़ितों को तत्काल सहायता और मुआवजा देना चाहिए, उन्होंने कहा, अभी तीन हफ्ते पहले ही पहलगाम में पर्यटकों पर फायरिंग हुई थी और जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी घटनाएं जारी हैं। मोदी (अब एनडीए) सरकार द्वारा शांति और सामान्य स्थिति लाने का छाती ठोकने वाला सारा प्रचार खोखला लगता है। आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट है।

आतंकी हमले की जांच करने पहुंची एनआईए की टीम

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए करेगी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम पुलिस की मदद करने और जमीनी हालात का आकलन करने के लिए जम्मू संभाग के जिला रियासी पहुंच गई है। एनआईए की फोरेंसिक टीम भी जमीनी स्तर से साक्ष्य जुटाने में मदद करने की कोशिश कर रही है। उधर, रियासी में पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ, सेना के जवानों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वन क्षेत्र में तलाशी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। रविवार की शाम को रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों ने हमला किया था, जिसमें एक मासूम बच्चे समेत नौ श्रद्धालुओं की जान चली गई थी, जबकि कई गंभीर घायल हैं।

कच्चातीवु द्वीप का मुद्दा उठाया जाना प्रधानमंत्री का 'अत्यंत गैर जिम्मेदाराना' कदम था : जयराम

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कच्चातीवु द्वीप का मुद्दा उठाने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए इसे "अत्यंत गैरजिम्मेदाराना" कदम बताया और कहा कि इससे श्रीलंका के साथ भारत के रिश्ते बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या मोदी और उनके सहयोगी श्रीलंका के साथ इतना बड़ा विवाद पैदा करने के लिए माफी मांगेंगे। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर इस बात का जिक्र किया कि रविवार शाम हुए शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे मौजूद थे। कच्चातिवु मुद्दे को याद करें जिसे चुनाव प्रचार के दौरान एक तिहाई प्रधानमंत्री ने गढ़ा था और तमिलनाडु में भाजपा के लिए समर्थन हासिल करने के मकसद से उनके सहयोगियों ने इसे उठाया था। तमिलनाडु के मछली पकड़ने वाले समुदायों की चिंताओं को स्थायी आधार पर सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने की आवश्यकता है।

देशभर के किसानों के खाते में डाली जाएगी किसान निधि की 17वीं किस्त

तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद ही पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। पीएम मोदी ने सोमवार (10 जून, 2024) को किसान सम्मान निधि की किस्त जारी करने को लेकर फाइल पर साइन किए हैं। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करने की फाइल पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे 9.3 करोड़ किसानों को लाभ होगा और लगभग 20 हजार करोड़ रुपये वितरित किए जाएंगे।

सीएम योगी ने अमित शाह से की मुलाकात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में अमित शाह, नितिन गडकरी समेत कई नेताओं से मुलाकात की और उन्हें केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। माना जा रहा है की मोदी कैबिनेट की पहली बैठक के पहले हुई इस मुलाकात में यूपी के लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर चर्चा हुई है। बता दें, लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के खाते में 37 सीटें गईं। वहीं, बीजेपी को 33 सीटें मिली हैं। इसके अलावा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ी कांग्रेस को भी छह सीटें मिली हैं।

अधर में अटकी हुई होगी नई सरकार : अखिलेश

» मोदी सरकार के शपथ ग्रहण पर सपा प्रमुख ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में समाजवादी पार्टी के ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। अखिलेश ने सोशल साइट एक्स पर लिखा है कि ऊपर से जुड़ा कोई तार नहीं, नीचे कोई आधार नहीं... अधर में जो है अटकी हुई वो तो कोई 'सरकार' नहीं। सपा मुखिया अब खुलकर अपनी आगे की योजनाओं पर चर्चा कर रहे हैं और भाजपा को निशाने पर ले रहे हैं।

सपा लोकसभा चुनाव में यूपी में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और सभी को चौंकाते हुए 37 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि भाजपा यूपी में 33 सीटें जीती हैं। चुनाव के पहले भाजपा प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत का दावा कर रही थी। रविवार को एनडीए सरकार जिसे मोदी 3.0 भी कहा जा रहा है के शपथ ग्रहण से पहले उन्होंने तंज कसा और शपथ लेने वाली सरकार को अधर में अटकी हुई करार दिया है।बता दें कि नरेंद्र मोदी आज तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे साथ ही उनके मंत्रिपरिषद के सहयोगी भी शपथ लेंगे। इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें प्राप्त हुई हैं और भाजपा लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बना सकी। हालांकि, एनडीए की कुल सीटें बहुमत से ज्यादा हैं। ऐसे में इसे एनडीए सरकार की कहा जा रहा है।

फैज़ाबाद सीट से विजयी सांसद अवधेश प्रसाद को जान का खतरा

उधर, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कुछ दिनों बाद ही फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की हार की देश-दुनिया में चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर यूजर्स खुलकर अयोध्या की जनता को कोस रहे हैं और नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। इसे लेकर विजयी प्रत्याशी अवधेश प्रसाद की जान का खतरा बताते हुए सपा नेता ने उनके लिए जेड प्लस सुरक्षा की मांग की है। इस संबंध में समाजवादी छात्रसभा के राष्ट्रीय महासचिव मनोज पासवान ने प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह को पत्र लिखा है और अवधेश प्रसाद के लिए जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा की मांग की है। अपने भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा है कि सोशल मीडिया सहित संचार के माध्यमों में अयोध्या के निवासियों पर असहज करने वाली टिप्पणियां व धमकियां दी जा रही हैं। ऐसे में उन पर कभी भी कोई सुनियोजित अनहोनी या असामान्य घटना हो सकती है। पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं। अतः अवधेश प्रसाद को सुरक्षा की दृष्टि से जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की जाए।

यूपी में संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे : संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की और इंडिया गठबंधन को यूपी में मिली जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए आगे भी मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर भी डाली। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए आगे भी साथ मिलकर काम करेंगे। इंडिया गठबंधन ने यूपी में 43 सीटों पर जीत हासिल की।

अखिलेश यादव ने 2027 का बनाया लक्ष्य

इसके पहले, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को नवनिर्वाचित सांसदों के साथ बैठक की और कहा कि हमें जनता से जुड़े रहना है। हमें उनकी आवाज उठाते रहना होगा। अखिलेश यादव ने यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव जीतने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि हमने जनता के मुद्दे उठाए। जनता ने हमें समझा। पार्टी को बड़े पैमाने पर जनता का समर्थन मिलने से हमारी जिम्मेदारी बहुत बढ़ गई है।

दादी और मां के सपनों को और आगे ले जाएंगे राहुल

» फुरसतगंज में बड़े समारोह के आयोजन की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर राहुल गांधी रायबरेली के सांसद होने के बाद दादी इंदिरा गांधी की राजनीतिक थाती को सहेजेंगे तो साथ ही मां सोनिया गांधी के सपनों को उड़ान देंगे। 11 जून को राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट छोड़कर रायबरेली पर मुहर लगा सकते हैं।

उधर, गांधी परिवार के आगमन को लेकर अमेठी के फुरसतगंज में बड़े समारोह के आयोजन को लेकर कांग्रेस तैयारी को अंतिम रूप दे रही है। रायबरेली लोकसभा सीट गांधी परिवार की विरासत के साथ भावनाओं से जुड़ी हुई हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में जब राहुल गांधी मैदान में उतरे तो राजनीति के साथ भावनाओं का साथ अधिक देखने को मिला था। इसकी झलक उस समय दिखी थी, जब नौ मई को प्रियंका गांधी ने हरचंदपुर में नुक्कड़ सभा के दौरान रायबरेली के किसान आंदोलन का जुड़ा किस्सा सुनाकर मोतीलाल नेहरू और जवाहर लाल नेहरू के रायबरेली से लगाव की बात की थी। इसके बाद महराजगंज की जनसभा में राहुल गांधी ने दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी को अपनी दो मां बताया था। उस दौरान उन्होंने कहा था कि दादी और मां से जो भी सीखा है, उस पर चल रहा हूं। इन सबसे साफ था कि राहुल गांधी के लिए रायबरेली का क्या महत्व है। फुरसतगंज में 11 जून को होने वाले आयोजन को लेकर कांग्रेस पदाधिकारी जुटे हुए हैं और नहर कोठी चौराहा के पास प्रांगण में आयोजन होगा। रायबरेली कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी और राहुल गांधी के चुनाव अभिकर्ता रहे विजय शंकर अग्निहोत्री बृहस्पतिवार को ही गांधी परिवार से मिलने दिल्ली गए थे, जहां उनकी शनिवार को सोनिया, राहुल, प्रियंका और केएल शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि 11 जून को गांधी परिवार यहां आएगा। रायबरेली और अमेठी की सीमा पर कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। यहीं से दोनों जिलों की जनता का आभार जताया जाएगा। स्थान का चयन किया जा रहा है।

11 जून को आएगा पूरा गांधी परिवार

दादा फिरोज गांधी, दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया के बाद चौथी पीढ़ी के राहुल गांधी की ऐतिहासिक जीत के जरिए अब गांधी परिवार रायबरेली व अमेठी से भावनात्मक रिश्ता और मजबूत करेगा।इसके लिए सोनिया, राहुल, प्रियंका और अमेठी से नवनिर्वाचित सांसद किशोरीलाल शर्मा 11 जून को यहां आ रहे हैं। गांधी परिवार दोनों जिलों के लोगों को एक स्थान पर एकत्र कर जीत के प्रति आभार जताकर अपनापन दिखाएगा। दोनों सीटों पर कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत से एक बार फिर गांधी परिवार का लगाव स्थानीय जनता के प्रति बढ़ा है। यही वजह है कि गांधी परिवार दोनों जिलों से ऐतिहासिक जीत के लिए जनता के साथ कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करने के लिए 11 जून को आ रहा है। कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि अगली बार देशभर में कांग्रेस की बयार बहेगी। खास बात यह है कि सोनिया गांधी 2019 में लगातार पांचवीं बार विजयी हुईं लेकिन, जीत का प्रमाणपत्र तक लेने नहीं आईं।

हार के बाद संगठन नेताओं पर मायावती की मार

» बदलाव शुरू : बसपा ने पूरे प्रदेश को चार सेक्टरों में बांटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी को लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार का सामना करना पड़ा है। साल 2019 में 10 सीटों पर चुनाव जीतने वाली बसपा 2024 में जीरो पर ही सिमट गई, जिसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव शुरू कर दिए हैं, विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाते हुए बसपा ने पूरे प्रदेश का चार सेक्टरों में बांट दिया है।

लोकसभा चुनाव में हार के बाद अब बहुजन समाज पार्टी आगे की तैयारी में जुटी है। बसपा की नजर 2027 में यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव पर हैं, जिसे देखते हुए पार्टी संगठन में बदलाव किए गए हैं, पूरे प्रदेश को चार सेक्टर में बाँटा गया है. पश्चिमी यूपी के चार मंडल मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद और बरेली को सेक्टर एक में रखा गया है, इसके लिए मुनकाद अली समेत चार नेताओं को नियुक्त किया गया है जो इस सेक्टर में बसपा के संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। मुनकाद अली सेक्टर एक के मुख्य सेक्टर इंचार्ज होंगे। उनके अलावा चार अन्य नेता मंडलवार पार्टी की कार्यप्रणाली को देखेंगे। इसमें मुरादनगर मंडल को गिरीश चंद्र जाटव, बुलंदशहर में राजकुमार गौतम और मेरठ में दारा सिंह प्रजापति संगठन का काम देखेंगे।

कई पदाधिकारी इधर से उधर

बसपा के संगठन में भी बदलाव किए गए हैं। पश्चिमी यूपी में प्रभारी पद की व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है, इसकी जिम्मेदारी संभालने वाले नेता शम्सुद्दीन राईन अब लखनऊ आ गए हैं,वो अवध और बुंदेलखंड सेक्टर का काम देखेंगे। वहीं प्रयागराज के जिलाध्यक्ष आरबी त्यागी और प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष को हटा दिया गया है, उनकी जगह नए जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

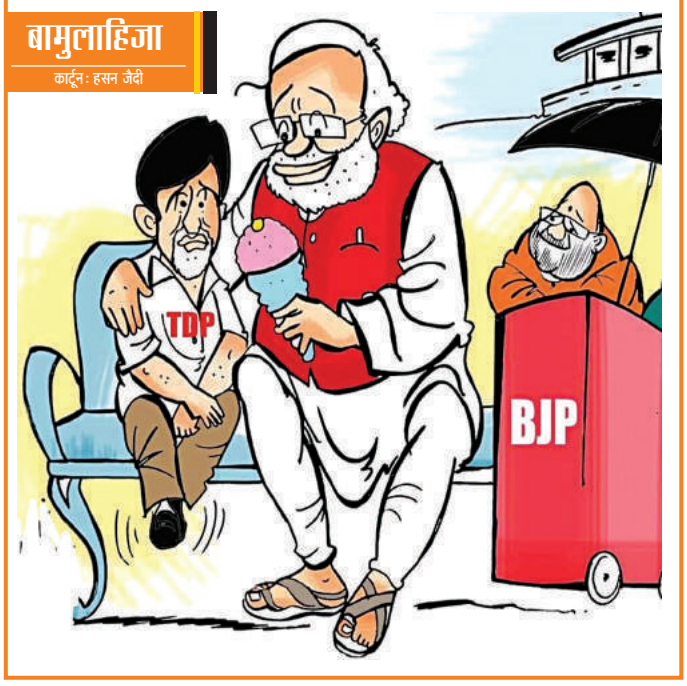

लीड दिलाने में असफल पदाधिकारियों पर गिरेगी गाज : विक्रमादित्य

» हिमाचल में नई बूथ कमेटियां बनेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। लोकसभा चुनाव में शिमला ग्रामीण से कांग्रेस को लीड न मिलने की गाज अब बूथों के पदाधिकारियों पर गिरने वाली है। अब यहां सभी बूथ कमेटियों का नए सिर से गठन किया जाएगा। शिमला ग्रामीण के विधायक और लोक निर्माण-शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आयोजित समीक्षा बैठक में साफ-साफ कहा कि यहां से लीड न मिलना चिंताजनक है।

कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा न रहने पर आत्मचिंतन जरूरी है। भविष्य में ऐसा न हो, इस पर न केवल गहन मंथन किया जाएगा, बल्कि बूथ स्तर की कमेटियों का नए सिर से गठन कर सक्रिय किया जाएगा। वह खुद हर जोन में जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे। चुनाव में शिमला ग्रामीण में पार्टी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसका उन्हें अफसोस है। वह चुनाव प्रचार के लिए क्षेत्र में समय नहीं दे पाए। वह प्रचार में उतरते, तो कांग्रेस को लीड मिलती। बता दें कि कांग्रेस के गढ़ शिमला ग्रामीण विस से भाजपा प्रत्याशी को चुनाव में 6,448 मतों की लीड मिली थी। शिमला ग्रामीण में 133 बूथ हैं।

दक्षिण में अब भी अजेय है इंडिया गठबंधन

तमिलनाडु में खाता खोलने में भी सफल नहीं हो पाई बीजेपी

- कर्नाटक, आंध्र व तेलंगाना में लगा एनडीए को झटका
- केरल में भाजपा का खुला खाता, बची लाज
- तमिलनाडु स्टालिन की स्टाइल में चलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैसे तो पूरे भारत में बीजेपी समेत राजग गठबंधन को चुनावों में झटका लगा है। दक्षिण में कई जतन करने के बाद भी बीजेपी वहां पर कांग्रेस व इंडिया गठबंधन का कुछ नुकसान नही कर पाई। जहां तमिलनाडु में उसका खाता भी नही खुला तो कर्नाटक में उसे पिछली बार की सीटों की अपेक्षा इस बार कम सीटे मिली। जो आंध्रप्रदेश व तेलंगाना में पहले जैसा ही हाल रहा। इतना जरूर है कि केरल में एक सीट लेकर उसने अपनी नाक कुछ हद तक बचा ली। पर दक्षिण का परिणाम तो यही बता रहे हैं कि वहां अब भी इंडिया की धमक है।

गौरतलब हो चुनाव से पहले बीजेपी नेताओं खासतौर प्रधानमंत्री मोदी कई चुनावी दौरे किए थे। यहां तक मोदी ने अंतिम चरण से पहले चहां ध्यान तक लगाया पर सबकुछ करने के बाद भी उतना लाभ उन्हें नहीं मिला जितना मिलना चाहिए था। वही कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने कभी ईवीएम को दोष नहीं दिया है। ईवीएम पर विपक्षी गठबंधन की चुप्पी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, कृपया घोषणापत्र पढ़ें, हम यही कह रहे हैं कि वीवीपैट पर्ची, हमारे पढ़ने के लिए, लगभग 4-5 सेकंड तक प्रदर्शित होती है और फिर पर्ची बॉक्स के अंदर गिर जाती है। हमने घोषणापत्र में कहा है कि एक और सुधार होना चाहिए। वीवीपैट बक्से में पर्ची के स्वत: गिरने के बजाय, मतदाता को उसे प्राप्त करने, उसे देखने और फिर उसे बक्से में डालने की सुविधा मिलनी चाहिए तथा इस सुधार से ईवीएम-वीवीपीएटी प्रणाली के संबंध में किसी के मन में कोई संदेह नहीं रहेगा। यहां तक कि अब भी, यदि ईवीएम पर राय मांगी जाती है, तो दस में से चार या दस में से तीन लोग ईवीएम पर संदेह करते हैं और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि संदेह उचित है या अनुचित; जहां तक मेरा सवाल है, मैंने कभी ईवीएम को दोष नहीं दिया है।

एनडीए की ओर से एकमात्र एनडीए सहयोगी पीएमके के सौम्य अंबुमणि बढ़त के साथ हारे, वहीं बीजेपी के हाई-प्रोफाइल राज्य प्रमुख के अन्नामलाई को भी हार का सामना करना पड़ा। केवल आधे वोट गिने जाने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो गई कि तमिलनाडु में एनडीए का कोई वजूद नही है। डीएमके 2019 से चुनावी जीत का सिलसिला बरकरार रखे हुए है और तमिलनाडु लोकसभा चुनाव में भारी जीत के लिए तैयार दिखी। सत्तारूढ़ गठबंधन 39 सीटें जीतने में सफल रहा। मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन के नेतृत्व और गठबंधन को संभालने में उनके कुशल नेतृत्व, राज्य के सबसे बड़े गठबंधन को मजबूत करना और 2019 से इसे बरकरार रखना सफलता का श्रेय दिया जा रहा है। द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में कांग्रेस, वामपंथी दल, दलित समूह और अल्पसंख्यक दल शामिल हैं। एनडीए की ओर से एकमात्र एनडीए सहयोगी पीएमके के सौम्य अंबुमणि बढ़त के साथ हैं, वहीं बीजेपी के हाई-प्रोफाइल राज्य प्रमुख के अन्नामलाई को भी हार का सामना करना पड़ । केवल आधे वोट गिने जाने से स्थिति अस्थिर बनी हुई थी। अंबुमणि की बढ़त का श्रेय भाजपा के प्रयासों के बजाय पीएमके के ओबीसी-वन्नियार समुदाय पर केंद्रित अभियान को दिया जा रहा है। विरुधुनगर में दोपहर तक कांग्रेस के मनिकम टैगोर के मामूली बढ़त लेने से पहले डीएमडीके उम्मीदवार की बढ़त 9,000 वोटों से कम होकर 390 हो गई है। अन्नाद्रमुक के गढ़ नमक्कल में कड़ी लड़ाई बनी हुई है और द्रमुक 1,500 वोटों की मामूली बढ़त पर है।

एआईएडीएमके ने कई सीटों पर दी कड़ी टक्कर

एआईएडीएमके कई सीटों पर कड़ी टक्क र दी लेकिन उसे बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जबकि इसका वोट बैंक बरकरार दिख रहा है। अन्नाद्रमुक को भाजपा ने तीसरे स्थान पर धकेल दिया है। चेन्नई दक्षिण, चेन्नई सेंट्रल, वेल्लोर, धर्मपुरी, नीलगिरी, कोयंबटूर, थेनी, रामनाथपुरम, तिरुनेलवेली, और कन्याकुमारी जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में अन्नाद्रमुक तमिल राष्ट्रवादी सीमान के नेतृत्व वाले नाम तमिलर काची से पीछे रह गई है। ईपीएस के करीबी एक वरिष्ठ एआईएडीएमके नेता ने कहा कि अगर हमने बीजेपी के साथ गठबंधन बरकरार रखा होता, तो हम कुछ सीटें जीत सकते थे और केंद्र में कैबिनेट पद हासिल कर सकते थे। लेकिन हमारे लिए आत्म-सम्मान महत्वपूर्ण था। हमारा वोट बैंक बरकरार है, और पार्टी प्राथमिक पसंद थी, कोई अस्थायी चुनाव रणनीति नहीं।

इंडिया गठबंधन के जश्न से जल रही बीजेपी

पूर्व वित्त व गृह मंत्री ने कहा यदि हम अपनी जीत का जश्न मनाएं तो मोदी को ईर्ष्या या दुख क्यों होना चाहिए। चुनावी लड़ाई की तुलना ओलंपिक प्रतियोगिता, जहां विजेताओं को पदक विजेता कहा जाता है, से करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, हमने स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य रखा था, लेकिन रजत पदक ही मिला। यह अंतिम चरण नहीं है। हम इसे अब भी जीत मानते हैं। आप क्यों कहते हैं कि हम हार गए? हम खुश हैं। हम और बेहतर कर सकते थे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के संविधान की किताब को माथे से लगाने पर चिदंबरम ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि संविधान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा, यह तथ्य कि उन्होंने संविधान के आगे सिर झुकाया, स्वागतयोग्य है। लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को खारिज नहीं करती है और वह वीवीपैट (वोटर्स वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) में सुधार के पक्ष में है।

एआईडीएमके ने अन्नामलाई को ठहराया जिम्मेदार

एनडीए के साथ गठबंधन में पार्टी 35 सीटें जीतती। चुनावों में एआईएडीएमके के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, वेलुमणि ने कहा कि पार्टी 2019 में अपना वोट शेयर 19.39 प्रतिशत से बढ़ाकर 2024 में 20.3 प्रतिशत करने में सफल रही। तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाले भारत गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद, प्रमुख विपक्षी दल, अन्नाद्रमुक ने एनडीए से अलग होने के पार्टी के फैसले के लिए गुरुवार को भाजपा के राज्य प्रमुख के अन्नामलाई को दोषी ठहराया। एक प्रेस वार्ता में, एआईएडीएमके नेता एसपी वेलुमणि ने कहा कि अगर यह उनके लिए नहीं होता, तो एनडीए के साथ गठबंधन में पार्टी 35 सीटें जीतती। चुनावों में एआईएडीएमके के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, वेलुमणि ने कहा कि पार्टी 2019 में अपना वोट शेयर 19.39 प्रतिशत से बढ़ाकर 2024 में 20.3 प्रतिशत करने में सफल रही।उन्होंने दावा किया कि अन्नामलाई द्वारा अन्ना और जयललिता की विरासत का कथित अपमान करने के कारण पार्टी ने राजग से नाता तोड़ लिया। अन्नामलाई की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले, हम तमिलिसाई सुंदरराजन और बाद में एल मुरुगन के नेतृत्व में भाजपा के साथ गठबंधन में थे। हालांकि, अन्नामलाई के सत्ता संभालने के बाद उन्होंने अम्मा, अन्ना और हमारे नेता सहित हमारे नेताओं की आलोचना करना जारी रखा। अन्नामलाई के कार्यों के कारण हमें गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला करना पड़ा। अगर गठबंधन जारी रहता, तो हमें 35 सीटें हासिल होतीं। अन्नामलाई को डीएमके के गणपति राजकुमार ने 1 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से हराया। पिछले चुनाव के विपरीत, जहां एआईएडीएमके एक निर्वाचन क्षेत्र सुरक्षित करने में सक्षम थी, इस बार पार्टी को सभी 39 लोकसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। एक समय एक प्रमुख ताकत रही द्रविड़ पार्टी अब 12 प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्रमुक के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है।

समय बताएगा मोदी स्थिर सरकार चला पाएंगे या नहीं : चिदंबरम

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गठबंधन सरकार बनाने के लिए बाध्य हैं, तो यह समय ही बताएगा कि क्या वे स्थिर सरकार चला पाएंगे या नहीं। मोदी हमेशा से ही एक व्यक्ति सरकार वाले रहे हैं, चाहे वे 12 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हों या 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे हों। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के बारे में पूछे जाने पर चिदंबरम ने बताया, अब वह गठबंधन सरकार बनाने को मजबूर हैं। यह सरकार स्थिर होगी या नहीं, इसका जवाब उन्हें देना चाहिए, नहीं तो समय ही बताएगा। मैं या आप कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि चुनावी गठबंधन बनाना आसान नहीं है क्योंकि कई क्षेत्रीय दलों की अपनी विचारधारा और इतिहास है। उन्होंने कहा, सभी क्षेत्रीय दलों को एकजुट करना और गठबंधन बनाना आसान नहीं है। और गठबंधन चलाना बहुत मुश्किल काम है। कांग्रेस के पास इसका अनुभव है। कल मोदी को भी यह अनुभव मिलने लगेगा। देखते हैं वह इसे कैसे संभालते हैं। कांग्रेस के राज्य मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित राज्यों में मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर गठबंधन बनाए जा सकते हैं। उन्होंने पूछा, उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश में कांग्रेस किसके साथ गठबंधन करेगी? क्या वह वाईएसआरसीपी या तेदेपा के साथ गठबंधन करेगी, जो इसके लिए तैयार नहीं हैं? उन्होंने कहा कि इसलिए, राज्यों में मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर चुनावी गठबंधन बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संबंधों को मजबूत करना और गठबंधन सरकार चलाना न केवल कठिन है, बल्कि जटिल भी है। कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में हार मिली है इसे अस्वीकार करते हुए चिदंबरम ने कहा कि जनादेश से पता चलता है कि उनकी पार्टी ने नैतिक जीत हासिल की है, जबकि मोदी की भाजपा को नैतिक हार का सामना करना पड़ा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब रूकेगा युवाओं के भविष्य साथ खिलवाड़!

पेपर लीक के मामले सुरसा की मुंह की तरह बढ़ते जा रहे हैं। अभी हाल ही में चुनाव खत्म हुए हैं। उससे पहले चुनावी प्रचार में हर सियासी पार्टी ने पेपर लीक मामले को उठाया और अपनी सरकार आने पर इस पर सख्त कानून बनाने की बात की। वहीं अभी नई सरकार का शपथ ग्रहण भी नहीं हो पाया है और देश की सबसे प्रतिष्ठित नीट परीक्षा में धांधली की खबरें आने लगी है। हालांकि उस परीक्षा की व्यवस्था करने वाली संस्था ने जांच करने की बात कही है। सवाल ये नहीं कि धांधली क्यों हो रही सवाल यह है ये रुक क्यों नही रही है। सरकारें सबकुछ जानती हैं पर इस परअंकुश लगाने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही हैं। नीट परीक्षा 2024 में हर स्तर पर धांधली हुई है। परीक्षा से लेकर परीक्षाफल बनाने तक में गोरखधंधा हुआ है। अब सभी लोगों ने सब रद करवाने की बात की है। वहीं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध सिंह ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने 'नीट-यूजी' में कृपांक पाने वाले 1,500 से अधिक अभ्यर्थियों के परिणामों की पुन: जांच करने के लिए समिति गठित की है।

नीट-यूजी परीक्षा नतीजों के बाद उठे विवाद पर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि 'नीट-यूजी' कृपांक मुद्दे की समीक्षा कर रही समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी। सिंह ने कहा कि 'नीट-यूजी' कृपांक मुद्दे की समीक्षा कर रही समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी। हमारी समिति की बैठक हुई और उन्होंने केंद्रों और सीसीटीवी के सभी विवरणों पर गौर किया। उन्हें पता चला कि कुछ केंद्रों पर समय बर्बाद हुआ और छात्रों को इसकी भरपाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति ने सोचा कि वे शिकायतों का समाधान कर सकते हैं और छात्रों को मुआवजा दे सकते हैं। तो कुछ छात्रों के अंक बढ़ा दिए गए। इसके कारण कुछ छात्रों की चिंताएं सामने आई हैं क्योंकि कुछ उम्मीदवारों को 718 और 719 अंक मिले और 6 उम्मीदवार टॉपर बन गए। हमने सभी चीजों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया और परिणाम जारी किए। 4750 केंद्रों में से यह समस्या 6 केंद्रों तक ही सीमित थी। वहीं 24 लाख छात्रों में से केवल 1600 छात्रों को ही इस समस्या का सामना करना पड़ा। पूरे देश में इस परीक्षा की शुचिता से समझौता नहीं किया गया। कोई पेपर लीक नहीं हुआ। पूरी परीक्षा प्रक्रिया बेहद पारदर्शी रही है। उन्होंने कहा कि नीट के जिन अभ्यर्थियों को कृपांक दिए गए हैं, उनके परिणाम संशोधित किए जा सकते हैं और इससे प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि वे (समिति) जल्द ही बैठक करेंगे और वे एक सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिश प्रस्तुत कर सकेंगे। ये कदम तो ठीक हैं पर कुछ ऐसी व्यवस्था करन पड़ेगी कि ऐसी घटनाएं दुबारा न हो। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न होने पाए।

"सरकारें सबकुछ जानती हैं पर इस परअंकुश लगाने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही हैं। नीट परीक्षा 2024 में हर स्तर पर धांधली हुई है। परीक्षा से लेकर परीक्षाफल बनाने तक में गोरखधंधा हुआ है। अब सभी लोगों ने सब रद करवाने की बात की है। वहीं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध सिंह ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने 'नीट-यूजी' में कृपांक पाने वाले 1,500 से अधिक अभ्यर्थियों के परिणामों की पुन: जांच करने के लिए समिति गठित की है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनाव परिणामों के तात्कालिक और दूरगामी संदेश

प्रेम सिंह

सात चरणों में संपन्न हुए अठारहवीं लोकसभा के चुनावों के पहले चरण के बाद ही यह संकेत मिल गया था कि देश के मतदाताओं ने सरकार के खिलाफ चुनाव मतदान का फैसला कर लिया है। बड़ी संख्या में बेरोजगार नौजवान और पहले से ही आंदोलनरत किसानों की इस प्रतिरोध में बड़ी भूमिका रही। इस परिघटना से एक तरफ विपक्ष को अगले चरणों के चुनावों को मजबूती और उत्साह से लड़ने का प्रोत्साहन मिला, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने एक अल्पसंख्यक वर्ग के खिलाफ बहुसंख्यावाद के हथियार को चरम सीमा तक जाकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। उन्हें लगा कि वे नए भारत के 'भाग्यविधाता' के सिंहासन से उतरने वाले हैं, तो उन्होंने खुद को 'दिव्य अस्तित्व' तक घोषित कर डाला। अगर विपक्ष का गठबंधन समुचित रणनीति के साथ समय से अखिल भारतीय स्तर पर किया गया होता तो अलग-अलग प्रदेशों के चुनाव परिणामों में इतनी भिन्नता (वेरिएशन) शायद नहीं होती; और भाजपा की सीटें काफी कम हो सकती थीं।

बहरहाल, चुनाव परिणाम राष्ट्रीय जनतांत्रिक (राजग) गठबंधन के पक्ष में आए हैं। राजग की प्रमुख पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 240 और पूरे राजग को 293 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है, जो साधारण बहुमत 272 के आंकड़े से 21 सीटें ज्यादा है। गठबंधन-धर्म का तकाजा यही है कि जिन्होंने मिलकर चुनाव लड़ा है, वे मिलकर सरकार बनाएं। आशा की जानी चाहिए कि भाजपानीत नई सरकार चुनाव के नागरिक संदेश को समझेगी और संवैधानिक मूल्यों/प्रावधानों, लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों और सामाजिक-नैतिक मर्यादाओं की पुनर्बहाली सुनिश्चित करेगी। कहने की जरूरत नहीं कि खासकर पिछले 10 सालों में इन सभी चीजों का अतिक्रमण होता रहा है। इस दिशा में राजग में शामिल होने वाले दलों की विशेष जिम्मेदारी बनती है। भाजपा के लिए भी यह एक अवसर है कि वह अपने को लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी के रूप में फिर से अर्जित करे।

अगर नई सरकार में संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के हनन का सिलसिला नहीं रुकता है तो राजनीतिक प्रतिरोध की नौबत आ सकती है। वैसी स्थिति में भाजपा सहित राजग के दलों को जनता के इससे ज्यादा कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि विपक्ष

अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से निभाए। वह भी अभी से। विपक्षी इंडिया गठबंधन को 235 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है, जिसमें प्रमुख पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 99 सीटें हैं। दो टर्म के बाद नई लोकसभा में संख्या की दृष्टि से सशक्त विपक्ष की उपस्थिति लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुभ संकेत है। यहां एक बात पर फिर ध्यान देने की जरूरत है कि नवउदारवादी नीतियों को लेकर देश के राजनीतिक और बौद्धिक वर्ग के बीच पिछले तीन दशकों से सहमति बनी हुई है। आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाने, भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति बनाने, इसके लिए हजारों-लाखों अंबानी-अदानी पैदा करने के जादुई दावों की देश में एक बड़ी दुनिया बन चुकी है। इस दुनिया में, जिसे चमकता भारत, नया भारत, विकसित भारत आदि कहा जाता है, एक तरफ मापी नहीं जा सकने वाली आर्थिक असमानता और दूसरी तरफ गरीबी, महंगाई, कुपोषण, बेरोजगारी, अकुशल-कुशल श्रम का शोषण चुनाव परिणामों के बावजूद समाज में इसी तरह चलते रहना है। यह कटु सत्य है, जिसे याद रखने की जरूरत है। इस चुनाव में देश की आबादी के एक बड़े हिस्से ने सत्तापक्ष की जगह विपक्ष को अपने हितों की जिम्मेदारी सौंपी है। विपक्ष ने अपने चुनाव-अभियान में जिन योजनाओं के वादे जनता से किए हैं उन्हें, नवउदारवादी नीतियों के तहत ही सही, लागू करने का दबाव नई सरकार पर बनाए रखना चाहिए। किसानों, संगठित-असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, कारीगरों, छोटे व्यवसायियों, सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों, छात्रों आदि के मुद्दों-समस्याओं को संसद में उठाने और सुलझाने की लगातार कोशिश करनी चाहिए। खास कर किसानों की जिन मांगों को पूरा करने का वादा कांग्रेस सहित विपक्ष ने किया है, उन्हें नई सरकार से पूरा कराने के वैधानिक प्रयास करने चाहिए। सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना पर पुनर्विचार करने का दबाव सरकार पर डालना चाहिए।

पिछली सरकार के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इस योजना की समीक्षा करने की बात कह चुके हैं। कई सिविल सोसायटी एक्टिविस्ट यूएपीए के तहत सालों से बिना सुनवाई और जमानत के जेलों में बंद हैं। उन्हें तुरंत न्याय मिले, यह सुनिश्चित करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। निजीकरण नवउदारवाद से अविभाज्य है। विपक्ष को कम से कम यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस हद तक किस रूप में किन क्षेत्रों में निजीकरण का पक्षधर है।

अधिक सहूलियत मगर फिर भी कम मतदान

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली हो या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दो इलाकों- फरीदाबाद और गुरुग्राम या फिर देश के दूसरे बड़े शहर, मतदान का आंकड़ा सामने आया तो स्पष्ट हो गया, जिस इलाके में अधिक शिक्षित और संपन्न लोग रहते हैं, वहां सबसे कम मतदान हुआ। लोकसभा के तहत जिन विधानसभा क्षेत्रों में विकास, सफाई, नागरिक सुविधा के लिए सबसे अधिक धन खर्च होता है, उन्हें मतदान के कर्तव्य की सबसे कम चिंता है।

भारत की 18वीं लोकसभा के निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न होने के साथ ही एक सवाल फिर खड़ा हुआ कि आखिर बड़े शहरों में रहने वाले, खासकर सम्पन्न इलाकों के लोग वोट क्यों नहीं डालते, जबकि उनके क्षेत्रों में जन सुविधा-सुंदरता और शिकायतों पर सुनवाई सरकारें प्राथमिकता से करती हैं। दिल्ली हो या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दो इलाकों- फरीदाबाद और गुरुग्राम या फिर देश के दूसरे बड़े शहर, मतदान का आंकड़ा सामने आया तो स्पष्ट हो गया, जिस इलाके में अधिक शिक्षित और संपन्न लोग रहते हैं, वहां सबसे कम मतदान हुआ। लोकसभा के तहत जिन विधानसभा क्षेत्रों में विकास, सफाई, नागरिक सुविधा के लिए सबसे अधिक धन खर्च होता है, उन्हें मतदान के कर्तव्य की सबसे कम चिंता है। हो सकता है कि धनाढ्य वर्ग यह सोचता हो कि वे सबसे अधिक टैक्स देते हैं, इसलिए उनके इलाके में सरकारी धन से अधिक रखरखाव होना ही चाहिए। समझना होगा कि तभी संपन्नता संभव है क्योंकि देश में लोकतंत्र है। लोकतंत्र तभी है जब अधिक से अधिक लोग अपने पसंद की सरकार चुनने के अनुष्ठान में अपने आहुति दें, एक मत के रूप में।

दरअसल, शहर जितना बड़ा है, जहां विकास और जन-सुविधा के नाम पर सरकार बजट का अधिक हिस्सा खर्च होता है, जहां प्रति व्यक्ति आय आदि औसत से बेहतर है, जहां सड़क-बिजली-पानी-परिवहन अन्य स्थानों से बेहतर होते हैं, वहीं के लोग वोट डालने निकले नहीं। चेन्नई -सेंट्रल सीट में सर्वाधिक शिक्षित और संपन्न घराने रहते हैं, वहां मतदान हुआ महज 53.91 प्रतिशत। बेंगलुरु सेंट्रल और साउथ भी पढ़े-लिखे, नौकरीपेशा और सम्पन्न लोगों का क्षेत्र है और वहां केवल क्रमश: 52.81 और 53.15 फीसदी लोग ही मतदान को निकले। यही हाल मुंबई साउथ का रहा जहां देश के बड़े उद्योगपति, फिल्मी सितारे रहते हैं, यहां मतदान 47.7 प्रतिशत ही था, जबकि शहर का सबसे साफ-सुथरा जगमगाता संसदीय क्षेत्र यही है।

राजधानी दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं, जिसमें नई दिल्ली सर्वाधिक प्रतिष्ठित कहलाती है, क्योंकि यहां राष्ट्रपति से लेकर बहुत से सांसद, अधिकांश उच्च नौकरशाही, बड़े व्यापारी आदि निवास करते हैं। हर बार की तरह इस बार भी इस सीट पर सबसे कम महज 51.98 फीसदी मतदान हुआ। इसमें भी सबसे कम मात्र 48.84 प्रतिशत वोट सबसे धनाढ्य कहे जाने वाले ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र में डाले गये। दिल्ली में सबसे अधिक मतदान हुआ उत्तर-पूर्वी दिल्ली में जिसका बड़ा हिस्सा विस्थापित और कच्ची कालोनियों से बना है। यहां 62.87 फीसदी वोट पड़े। दिल्ली में एकमात्र पहली श्रेणी में उत्तीर्ण लोकसभा सीट यही है। मतदान वाले दिन, जब आसमान से आग बरस रही थी तब सिग्नेचर ब्रिज की तरफ जाने वाली सड़क से जाफराबाद से आगे करावल नगर मार्ग तक हर जगह सड़क पर, जहां भारी यातायात भी था और कोई छाया नहीं थी; क्या औरत क्या मर्द, लंबी कतारें थीं। एक मतदान केंद्र पर मतदान की गति इतनी धीमी कि एक से डेढ़ घंटे कतार में फिर भी लोग खड़े थे। न्यूनतम सुविधाएं हैं, लेकिन वोट डालने में कोई कोताही नहीं। एक बेहतर कल की उम्मीद या लोकतंत्र पर भरोसा या उसी पर आशा- जो कुछ भी हो, इन गरीब, मेहनतकश लोगों ने जमकर वोट डाले। यहां भी सीलमपुर, मुस्तफाबाद, सीमापुरी जैसे झोपड़-झुग्गी वाले इलाकों में 60 फीसदी से अधिक वोट पड़े। जबकि सरकारी इमारतों और मध्य वर्ग के तिमारपुर में 54.58 प्रतिशत ही।

दक्षिणी दिल्ली में महज 55.15 फीसदी वोट पड़े। उसमें भी पालम के अलावा कहीं भी मतदान 60 तक नहीं पहुंचा। कालकाजी जैसे पुराने संभ्रांत विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 53.22 फीसदी वोट ही गिरे। चांदनी चौक लोकसभा के संकरी गलियों वाले मटिया महल, बल्ली माराना, शकूर बस्ती में 60 प्रतिशत से अधिक लोग वोट देने निकले तो मॉडल टाउन में 49.80, शालीमार बाग में 57.24 आदर्श नगर में 53.76 फीसदी लोग ही घर से निकले। यहां भी स्पष्ट दिखा कि ऊंचे घरों से मतदान कम हुआ। हरियाणा की दस सीटों में जिन दो जगहों पर सबसे कम मतदान हुआ, वह हैं दिल्ली का विस्तार कहे जाने वाले फरीदाबाद और गुरुग्राम। गाजियाबाद और नोएडा में भी वोट प्रतिशत वहीं ठीक रहा जहां जरूरतमन्द लोगों की घनी आबादी है, वरना भरे पेट के मोहल्लों ने तो निराश ही किया।

सवाल यह है कि क्या लोकतंत्र को सहेज कर रखने की जिम्मेदारी सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर ही है। इसके बाद भी जब विकास, सौन्दर्यीकरण, नई सुविधा जुटाने की बात आती है तो प्राथमिकता उन्हीं क्षेत्रों को दी जाती है जहां के लोग कम मतदान करते हैं। मतदान को अनिवार्य करना भले ही फिलहाल वैधानिक रूप से संभव न हो लेकिन यदि दिल्ली एनसीआर से यह शुरुआत की जाये कि विकास योजनाओं का पहला हक उन विधानसभा क्षेत्रों का होगा, जहां लोकसभा के लिए सर्वाधिक मतदान हुआ तो शायद अगली बार पॉश इलाकों के लोग मतदान की अनिवार्यता को महसूस कर सकें।

टमाटर से बने फेस पैक से निखरेगी त्वचा

धूप से चेहरे पर आया कालापन भी होगा दूर

नौतपा की वजह से कई राज्यों में आसमान से आग बरस रही है। लोगों का घर से बाहर निकलना दूभर हुआ जा रहा है। मौसम विभाग की मानें तो इस साल गर्मी अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग भी लगातार लोगों को सचेत रहने की सलाह दे रहा है। इस भीषण गर्मी की वजह से न सिर्फ लोगों की सेहत खराब हो रही है, बल्कि इसका खराब असर लोगों की त्वचा पर भी दिखने लगा है। धूप से लोगों का चेहरा काला पड़ रहा है। इससे बचने के लिए लोग पार्लर जाकर कई प्रकार के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। अगर आपका चेहरा भी धूप से काला पड़ रहा है और आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो आप घर पर ही टमाटर से इस्तेमाल से चेहरे के कालेपन से छुटकारा पा सकते हैं।

टमाटर, दूध और एलोवेरा

इस पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में टमाटर मैश करके डालें। इसके बाद इसमें दूध और एलोवेरा जेल मिलाएं। 15 मिनट इस पैक को चेहरे पर लगाएं और फिर इसका असर देखें। दूध मुंहासे के उपचार में भी सहायक है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड एक्ने के कारण स्किन पर होने वाली इंचिंग सेंसेशन को कम करने में सहायक है। साथ ही यह आपकी स्किन को मॉइश्चराइज भी करता है। टमाटर एंटी-एजिंग की तरह भी काम करता है, जिससे फाइन लाइन्स, रिंकल्स और एज-स्पॉट्स आदि भी कम होते हैं।

टमाटर और एवोकाडो

एवोकाडो भले ही महंगा आता है एवोकैडो सुपरफूड हैं जो पोषण से भरपूर होते हैं। इसमें विटामिन बी, सी, ई और के, राइबोफ्लेविन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, ल्यूटिन, बीटा-कैरोटीन, ओमेगा -3 फैटी एसिड के साथ-साथ एंटी-एजिंग एंटीऑक्सीडेंट सहित कई विटामिन और मिनरल होते हैं। लेकिन अगर आप इसका इस्तेमाल स्किन केयर में करेंगे, तो इससे आपकी त्वचा खिल उठेगी। इसके लिए बस टमाटर और एवोकाडो को मैश करके चेहरे और गर्दन पर लगाएं और इस पैक का असर देखें। एवोकैडो फेस पैक त्वचा के रूखेपन को दूर करने में मदद करता है। ये समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने से भी रोक सकता है।

टमाटर और बेसन

बेसन तो हर घर की रसोई में मिल ही जाता है। ऐसे में सबसे पहले एक कटोरी में टमाटर को मैश करके लें। अब इस कटोरी में बेसन डालकर इसका पैक तैयार करें। और फिर इसे 20 मिनट तक लगा कर रखें। जिससे आपकी त्वचा खिल उठेगी। चेहरे की झुर्रियों और फाइन लाइन्स को यह कम करता है, त्वचा के दाग-धब्बे और कालापन दूर करता है, ड्राई स्किन को मॉइस्चराइज और कोमल बनाता है, कील-मुंहासों से छुटकारा मिलता है, त्वचा की डेड स्किन और गंदगी साफ होती है।

टमाटर, नींबू और चंदन

ये तीनों ही चीजें हर घर में आसानी से मिल जाती हैं। इससे पैक बनाने के लिए एक कटोरी में तीनो चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करक पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं और कुछ समय के बाद इसे पानी से साफ कर लें। टमाटर और नींबू दोनों में ही विटामिन सी होता है, चेहरे पर टमाटर और नींबू का लेप लगाने से चेहरे के घटाव, फटी त्वचा, मुंहासे के घाव आदि को जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है। टमाटर त्वचा को ठंडक पहुंचाने में मदद करता है। यह धूप से झुलसी त्वचा के प्रभाव को कम करता है और त्वचा की जलन को शांत करता है और ठंडक पहुंचाता है। यह मिश्रण त्वचा की लालिमा को कम करने में भी मदद करता है। टमाटर और नींबू दोनों ही त्वची रंगत में सुधार करते हैं। यह त्वचा पर मौजूद टैनिंग, पिगमेंटेशन और डार्क पैचिस को कम करने में मदद करते हैं।

हंसना मना है

मैडम क्लास का ग्रूप फोटो बच्चों को दिखाकर बोलीं- जब तुम बड़े हो जाओगे तो इस फोटो को देखकर कहोगे। ये रहा राजू जो अमेरिका चला गया, ये रहा रवि जो लंदन चला गया, और ये रहा रलदू जो यहीं का यही रह गया, ये बात सुनकर रलदू बोला- और ये रही हमारी मैडम जिनका देहांत हो गया, ठोको ताली।

मम्मी- तुम्हारे लिए लड़का देखने जा रही हूं उससे कुछ कहना है? लड़की- उससे बोल देना के बेड के नज़दीक वाला चार्जिंग पॉइंट मेरा रहेगा?

जमीदार- मेरी इतनी ज़मीन है कि मैं अपनी कार पर निकलूं तो शाम तक आधी ज़मीन पर पहुंचता हूं। पठान- हाथ मिलाओ, हमारे पास भी पहले ऐसी ही 'खटारा' कार थी।

एक दो बादाम खा कर गणित के पूरे फार्मूला याद थे। अब मुट्ठी भर कर खाते है फिर भी बीवी का जन्मदिन याद नहीं रहता। लगता है बादाम नकली आने लगा है?

एक सलाम उन काकी और भाभियों को भी? जो दुल्हन की करतूतें जानते हुये भी बिदाई के समय दुल्हे को कहना नहीं भूलती, लड़की बहुत सीधी है, इससे कोई गलती हो जाये तो माफ कर देना इसे।

कहानी | राजा और तोता

एक राज्य में हरिशंकर नाम का राजा राज करता था। उसके तीन बेटे थे। उसकी ख्वाहिश थी कि वह उसका सबसे काबिल बेटा उसकी राजगद्दी संभाले, लेकिन वह इस बात लेकर संशय में था कि किसे वह अपना राजपाट सौंपे। एक दिन उसने अपने बेटों को बुलाया और कहा, अगर तुम लोगों के सामने एक गुनेगार खड़ा हो तुम उसके साथ क्या करोगे? इस पर पहले बेटे ने कहा, उस अपराधी को सजाए मौत दी जानी चाहिए। दूसरे ने कहा, कालकोठरी में बांध देना चाहिए। तीसरे ने कहा, उसे सजा देने से पहले इस बात की जांच करनी चाहिए कि उसने सही में अपराध किया है या नहीं। तीसरे बेटे ने सभी को एक कहानी सुनाई। एक राजा था, जिसके पास एक बुद्धिमान तोता था। एक बार उस तोता ने महराज से कहा, मुझे अपने माता और पिताजी के पास जाना है। राजा ने उसकी बात नहीं मानी, लेकिन तोता ने हार नहीं मानी। वह लगातार महराज से जिद्द करने लगा कि मुझे माता-पिता के पास जाने दें। अंत में राजा ने तोता की बात मान ली और कहा, ठीक है तुम अपने माता-पिता से मिलकर आओ, लेकिन राजा ने तोता को केवल पांच दिन की अनुमती दी, तुम पांच दिन में लौट आना। छठे दिन जब वह राजा के पास लौट रहा था तो उसने सोचा कि क्यों न वह महराज के लिए कुछ उपहार ले लिया जाए। फिर वह पर्वत कि ओर निकल पड़ा। वहां पहुंचते-पहुंचते रात हो गई। तोता ने पर्वत पर पहुंच कर अमृत फल तो ले लिया, लेकिन रात हो जाने के कारण वह आगे नहीं बढ़ा और वहीं रूक गया। उस रात जब तोता सो रहा था तभी एक सांप वहां आया और उसने राजा के लिए गए अमृत फल को खाने लगा। इस कारण फल में जहर फैल गया था। तोते को इस बात की भनक तक नहीं थी। अगली सुबह जब वह फल लेकर महत पहुंचा और कहा, महराज मैं आपके लिए यह अमृत फल लेकर आया हूं। आप इसे खाएंगे तो सदा के लिए अमर हो जाएंगे। उन्होंने तुरंत उस अमृत फल को खाने के लिए मांगा। एक मंत्री ने कहा, जरा रूकिए महराज, आप इस फल को बिना जांच किए कैसे खा सकते हैं। राजा मंत्री की बात से सहमत हुआ और कहा कि तुरंत इस फल को एक कुत्ते को खिलाया जाए। फल खाते ही कुत्ते की मौत हो गई। यह देख राजा गुस्से से आग बबूला हो गया। उसने तलवार से तोता के सिर को काट दिया। साथ ही फल को फेंकवा दिया। कुछ साल बाद उसी स्थान पर एक पौधा निकल आया। राजा ने कहा पेड़ का फल कोई नहीं खाएगा। कुछ दिन बाद एक वृद्ध व्यक्ति ने उसी पेड़ से फल तोड़ा और खाने लगा।वह बूढ़ा व्यक्ति एक दम से जवान हो गया। राज समझ आ गया कि उससे पबहुत बड़ी गलती हो गई। उसने बिना सच्चाई जाने तोता को मार दिया। इधर, तीसरे राजकुमार को राजा ने अपना उतराधिकारी नियुक्त किया।

7 अंतर खोजें

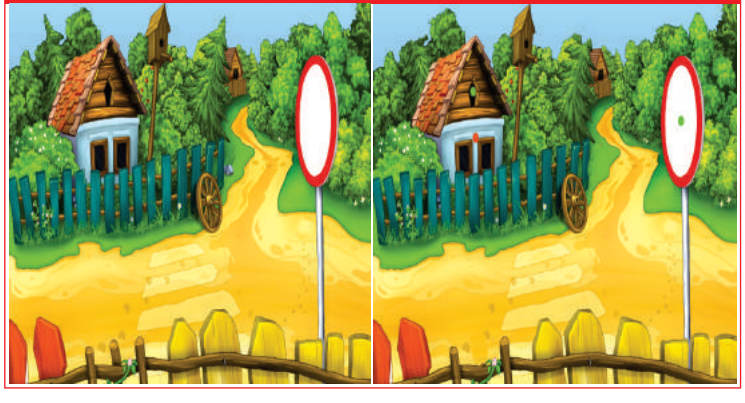

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

वृषभ

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। बेचैनी रहेगी।

सिंह

धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मकर

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ

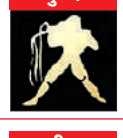

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन

राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में चलती है निगेटिव कैम्पेन : कार्तिक

कार्तिक आर्यन अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के प्रमोशन में बिजी हैं। ये पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक है। कार्तिक फिल्म में पेटकर का किरदार निभाते नजर आएंगे। जब से फिल्म के पोस्टर सामने आए हैं, एक्टर के ट्रांसफॉर्मेशन की चर्चा हो रही है। इस बीच कार्तिक आर्यन ने इंडस्ट्री में निगेटिव कैम्पेन, करण जौहर और फिल्मी दुनिया में दोस्ती करने को लेकर बात की। कार्तिक आर्यन ने द लल्लनटॉप से बातचीत के दौरान निगेटिव कैम्पेन को लेकर कहा, मेरे साथ सब काम कर रहे हैं और मेरा सबको पता है कि सही में अगर मैं आज यहां बैठा हूं तो अपनी फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर बैठा हूं। मैं दूसरे किसी को लेकर बात नहीं करूंगा, लेकिन अपना बताना चाहूंगा कि कुछ तो मुझमें ऐसा होगा कि बहुत सारे डायरेक्टर मुझे रिपीट भी कर रहे हैं अपनी फिल्म में। मुझे नहीं पता कि किसके बारे में क्या क्या लिखा जाता है, लेकिन मुझे लगता है कि आप इस इंडस्ट्री में होते हो तो आपके लिए पॉजिटिव लिखा जाता है, कभी निगेटिव भी लिखा जाता है। (पेड कैम्पेन भी चलते हैं?) चलते हैं, बहुत चलते हैं। देखिए मेरा सिंपल सा है, मेरा न कोई प्रवक्ता नहीं है, मेरी कोई फैमिली नहीं है जो प्रवक्ता बन पाए, मेरे बारे में बात कर पाए। और मेरी पॉजिटिव बातों को बाहर ला पाए। उसके लिए या तो मैं काम करता रहूं, जो आता है वो आए। लेकिन अगर निगेटिव कुछ आता है तो कोई रोकने वाला मेरे पास है नहीं। इंटरव्यू के दौरान कार्तिक से मुंबई को लेकर पूछा गया कि इस तरह का कुछ है क्या वहां पर? कुछ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर, साउथ बॉम्बे क्राउड, कुछ फिल्मों के लोग जो बार-बार लगातार मिलते हैं, एक दूसरे के बारे में कि कौन अच्छा कौन बुरा? कार्तिक ने इस बारे में कहा, मैं उन चीजों में इतना घुसा नहीं, मगर जब किसी को करना होता है तो वो कर ही लेता है, और नहीं तो नहीं ही होता है। तो वो चीजें, हम मतलब 2024 में बैठे हैं।

आज भी ड्राइव करने से डरती हैं शिल्पा शेट्टी

अदाकारी का जादू देशभर के लोगों पर चलाया। वहीं, पूरी दुनिया उनकी खूबसूरती पर भी फिदा रहती है। आज शिल्पा को बेशक कम ही फिल्मों में देखा जाता है, लेकिन उनकी फिटनेस और खूबसूरती में कोई कमी नहीं है। हालांकि, शिल्पा ने इंडस्ट्री में इस ऊंचे मुकाम को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत भी की है।

8 जून, 1975 को कर्नाटक में जन्मीं शिल्पा एक नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक विज्ञापन में कुछ सेकंड्स के रोल से की थी। इसके बाद वह एक के बाद एक कई प्रोजेक्ट्स के लिए मॉडलिंग करने लगीं। हालांकि, बॉलीवुड में शिल्पा ने 1993 में आई फिल्म बाजीगर से की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस का रोल बेशक काफी छोटा था, लेकिन अपनी बेहतरीन अदाकारी से उन्होंने दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ दी। शिल्पा को कई फिल्मों के ऑफर्स मिलने लगे। वहीं, एक्ट्रेस भी अलग-अलग शैलियों में लोगों का दिल जीतती गईं। उन्होंने दर्शकों को हंसाने से लेकर उन्हें डराया और खूब रुलाया भी। इसके अलावा शिल्पा को कई बार हीरो की बराबरी करते हुए पर्दे पर दमदार एक्शन भी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में कई उतार-चढ़ाव भी देखे।

वैसे पर्दे पर इतनी दमदार और असल जिंदगी में हमेशा मुस्कुराने वाली शिल्पा के बारे में एक बात ऐसी भी है, जो उनके चाहने वालों में भी कम ही लोगों को पता होगी। दरअसल, शायद ही किसी को पता होगा कि शिल्पा को ड्राइव करने से बहुत डर लगता है। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद अपने एक इंटरव्यू के दौरान किया था। अपने इसी डर के कारण शिल्पा हमेशा अपने साथ ड्राइवर रखती हैं।

शिल्पा ने अपनी अदाकारी का परचम हिन्दी फिल्मों के अलावा तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में भी फहराया। इतना ही नहीं वह ब्रिटिश शो बिग ब्रदर का भी हिस्सा रहीं। हालांकि, इस शो में एक्ट्रेस को रंगभेद का भी शिकार होना, लेकिन उन्होंने कभी किसी मुश्किल के सामने हार नहीं मानी। उन्होंने इस शो की ट्रॉफी भी अपने नाम की।

हीरामंडी से अपनी प्रेग्नेंसी की सीन काटने पर दुखी हैं फरीदा जलाल

वेटरन एक्ट्रेस फरीदा जलाल 90S और 2000S में फिल्मों ही नहीं, टीवी पर भी एक पॉपुलर चेहरा रही हैं। बेहद पॉपुलर टीवी शो शरारत में नानी का यादगार किरदार निभाने वालीं फरीदा, पिछले कुछ समय से मेनस्ट्रीम फिल्मों और शोज से गायब चल रही थीं। मगर पिछले महीने रिलीज हुई वेब सीरीज हीरामंडी में वो कुदसिया बेगम का किरदार निभाती नजर आईं। शो में कुदसिया बेगम का किरदार निभा रहीं फरीदा हमेशा की तरह अपने किरदार में बेहतरीन काम किया।

हाल ही में हीरामंडी का सीजन 2 भी अनाउंस किया गया है। जब फरीदा से पूछा गया कि क्या उनका किरदार हीरामंडी 2 में नजर आएगा? तो उन्होंने जवाब देते हुए बताया कि पहले सीजन में उनका एक सीन काट दिया गया है।

फरीदा जलाल ने बताया कि हीरामंडी के लिए उन्हें जो प्यार मिल रहा है उससे वो बहुत भावुक हैं। हालांकि, सीजन 2 में काम करने को लेकर उन्होंने कहा, सीजन 1 में आलमजेब और कुदसिया बेगम का बेड वाला सीन जो है, वो फाइनल एडिट पर वहीं खत्म हो गया। मगर वो पूरा सीन नहीं है। ऑरिजिनल सीन के अनुसार, आलमजेब की प्रेग्नेंसी की बात सुनकर मैं दवाइयां मांगती हूं, जिससे मेरी जीने की इच्छा दिखती है। वो सीन क्यों काट दिया गया? क्यों? मुझे जानना है क्यों?

फरीदा ने आगे बताया, अगर उन्हें लगता कि कुदसिया को जिंदा रहने की जरूरत है, तो वो सीन इसीलिए था। वो सीन नहीं रखा गया। आगे उनकी मर्जी है।

फरीदा ने ये भी बताया कि भंसाली की ऑरिजिनल डिमांड के हिसाब से उन्हें शो में स्मोकिंग करने और वाइन ग्लास पकड़ने में हिचक थी। फरीदा ने भंसाली को इस बारे में बताया और भंसाली ने उनकी ये रिक्वेस्ट मानते हुए उनके किरदार को ही थोड़ा सा बदल दिया। फरीदा ने बताया, उन्होंने दोबारा मुझसे उन सीन्स का जिक्र नहीं किया। मुझे लगता है उनके जैसे डायरेक्टर द्वारा चुने जाना और उनसे अपनी जरूरत मनवा लेना, किसी भी एक्टर के लिए एक बहुत बड़ी बात है।

हीरामंडी 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ये नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखा गया इंडियन शो है। संजय लीला भंसाली के इस शो में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, संजीदा शेख, अदिति राव हैदरी और ताहा शाह जैसे कलाकारों ने काम किया है।

अजब-गजब | दर्शन के लिए दूर-दूर से पहुंचते हैं लोग

यहां की जाती है अपराधियों की पूजा

दुनिया के हर देश में पूजा-पाठ के अलग-अलग नियम है लेकिन हर देश में भगवान की ही पूजा की जाती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां लोग भगवान की नहीं बल्कि अपराधियों की पूजा करते हैं। वैसे भी आप जानते ही हैं कि अक्सर समाज में लोग अपराधी किस्म के लोगों से खौफ खाते हैं और कुछ लोग तो कहते हैं कि वह तो उस अपराधी की पूजा करता है यानी डरता है। लेकिन इस देश में लोग डर से नहीं बल्कि यकीनन उसकी पूजा करते हैं। यहां के लोग अपराधियों की बाकायदा मूर्ति बनाते हैं और उसकी पूजा करते हैं।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं टैलिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बारे में। आर्थिक संकट से गुजर रहे वेनेजुएला के लोग पुराने अपराधियों की छोटी-छोटी मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा करते हैं। स्पेनिश भाषा में इन अपराधी देवताओं को सैंटोस मैलेंड्रोस कहा जाता है। बताया जाता है कि पहले के समय के सभी बदनाम अपराधियों की छोटी-छोटी मुर्तियों को एक जगह पर रखा गया है जिसके दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वेनेजुएला में जनता के बीच इन अपराधियों की छवि रॉबिनहुड वाली रही है। ये सभी अपराधी अमीर लोगों की दौलत लूटकर गरीब लोगों के बीच बांट देते थे। इसीलिए यहां के लोग इन अपराधियों की पूजा करते हैं क्योंकि

इन्होंने किसी की हत्या नहीं की। सिर्फ अमीरों को लूटा और गरीबों में लूटा हुआ पैसा बांट दिया। स्थानीय लोगों का मानना है कि मैलेंड्रो ने अच्छा काम किया है जिसके लिए इन्हें कुछ इनाम दिया जाना चाहिए। अगर इनकी पूजा-अर्चना नहीं की जाएगी तो ये हमसे खफा हो जाएंगे। बता दे कि जिस तरह से हमारे देश में किसी मन्नत के पूरा होने पर चढ़ावा चढ़ाया जाता है ठीक उसी तरह वेनेजुएला के सैंटोस मैलेंड्रोज को भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है।

बताया जाता है कि अगर वेनेजुएला में कोई इंसान किसी बात से परेशान है, तो वो मैलेंड्रो से मन्नत मांगता है। यही नहीं उनकी मन्नत पूरी भी होती है। जब मन्नत पूरी हो जाती है तो तो लोग सैंटोस मैलेंड्रो को चढ़ावे में शराब चढ़ाते हैं। लोगों की मान्यता है कि ऐसा करने से ये खुश होकर उन्हें वरदान देते हैं और उनका काम बन जाता है। हां लोग इस बात की सलाह देते हैं कि इन अपराधियों को चढ़ावे में ज्यादा शराब नहीं दी जानी चाहिए। वरना, ये काम छोड़कर जश्न मनाने लगेंगे। इसलिए लोग उन्हें चखने भर के लिए बीयर देते हैं। वहीं कुछ लोगो का कहना है कि वेनेजुएला में जनता के बीच इन अपराधियों की छवि रॉबिनहुड वाली रही है। ये सभी अपराधी अमीर लोगों की दौलत लूटकर गरीब लोगों के बीच बांट देते थे। इसीलिए यहां के लोग इन अपराधियों की पूजा करते हैं। इसलिए लोग उन्हें चखने भर के लिए बीयर देते हैं।

यहां बकरे को बनाते हैं 3 दिन के लिए राजा सबसे सुंदर लड़की बनती है उसकी रानी

इस दुनिया में बहुत सी अजीबोगरीब परंपराएं हैं। पूरी दुनिया में कई तरह के त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें से कुछ त्योहारों के दौरान बड़ी विचित्र परंपराएं निभाई जाती हैं। ऐसा ही एक अजीबोगरीब त्योहार आयरलैंड में मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान शहर की बागडोर एक बकरे के हाथ में सौंप दी जाती है। दरअसल, त्योहार के दौरान एक बकरे को यहां का राजा बना दिया जाता है। वहीं उसकी रानी बनती है शहर की सबसे खूबसूरत लड़की। जानते हैं आयरलैंड के इस विचित्र त्योहार के बारे में।

आयरलैंड में हर साल जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त के पहले हफ्ते के बीच यहां एक त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार का नाम प्लक फेयर है। यह त्योहार तीन दिन के लिए मनाया जाता है। त्योहार के दौरान एक बकरे को राजा बनाकर राजगद्दी सौंप दी जाती है। मेले के दौरान उसे बाकायदा मुकुट पहनाया जाता है। इसे गोट परेड के नाम से भी जाना जाता है। इस त्योहार में हिस्सा लेने के लिए हर साल लाखों पर्यटक यहां आते हैं। कहा जाता है कि यह आयरलैंड का सबसे पुराना त्योहार है। त्योहार के लिए पहाड़ से एक जंगली पहाड़ी बकरे को लाया जाता है। इसके बाद उसे किंग पक के तौर पर उपाधि देकर उसका राजतिलक किया जाता है। राजा बनाने के बाद नए महाराज की झांकी निकाली जाती है। इस झांकी में महारानी भी शामिल होती है। महारानी के तौर पर लोकल लड़की को चुना जाता है। जिस बकरे को राजा बनाया जाता है, वह सिर्फ तीन दिन के लिए गद्दी पर बैठता है। इन तीन दिनों के दौरान उसे कई तरह की सुविधाएं दी जाती है। उस महंगे पेड़ की टहनियां खिलाई जाती है। खाने में पत्तागोभी दी जाती है और पानी की सुविधा हमेशा के लिए होती है। तीन दिन बाद मेला खत्म होने पर उसे सत्ता से बेदखल कर वापस पहाड़ियों में भेज दिया जाता है। बताया जाता है कि इस त्योहार को 17वीं शताब्दी से मनाया जा रहा है।

अडानी हवाई अड्डों पर कार्गो लदान नई ऊंचाई पर

» 7 प्रतिशत की वृद्धि

10 लाख मीट्रिक टन की बढ़ोत्तरी, अंतर्राष्ट्रीय खाते में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

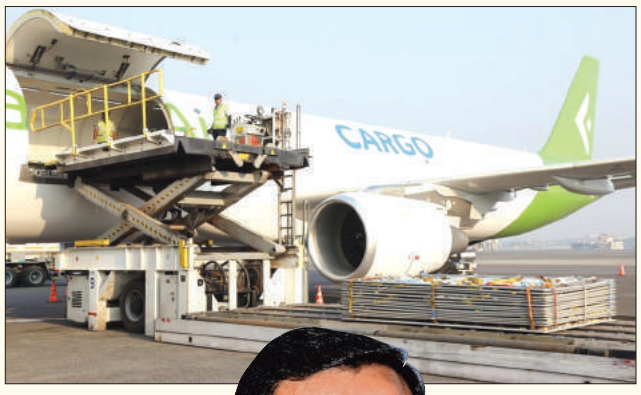

मुंबई। अडानी समूह के सात हवाई अड्डों में वित्त वर्ष 24 में कार्गो आवाजाही में 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जब इसने 10 लाख मीट्रिक टन माल संभाला है। 6.7 लाख मीट्रिक टन पर, अंतर्राष्ट्रीय कार्गो में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें शीर्ष वस्तुएं ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स, पेरिशबल्स, इलेक्ट्रिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान हैं। जबकि दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता घरेलू क्षेत्रों में कार्गो आवाजाही के लिए अग्रणी स्थलों में से थे, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, नीदरलैंड और अमेरिका अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में शीर्ष पर थे।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 10.1 लाख मीट्रिक टन कार्गो की सुविधा प्रदान की, जिससे 30.1 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल हुई। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 7प्रतिशत सालाना वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, जब कुल कार्गो टन भार 9.4 लाख मीट्रिक टन था। वित्त वर्ष 24 में,एएएचएल का कार्गो परिचालन मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय था - प्रबंधित कार्गो का 65प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय था, एएएचएल ने एक बयान में कहा।

हम परिचालन दक्षता के लिए लगातार नए मानक स्थापित कर रहे : अरुण

एएएचएल पोर्टफोलियो में फिलहाल सात परिचालन हवाई अड्डे मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, मंगलुरु, गुवाहाटी और जयपुर में हैं। एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि हम परिचालन दक्षता के लिए लगातार नए मानक स्थापित कर रहे हैं। कार्गो टर्मिनलों ने इस वित्तीय वर्ष में 1 मिलियन टन से अधिक की ढुलाई करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि भारत में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई माल ढुलाई संचालन में प्रमुख सुविधाप्रदाता के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करती है। एएएचएल को 2019 में अदानी एंटरप्राइजेज की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया था। अपने पोर्टफोलियो में सात परिचालन हवाई अड्डों के साथ (नवी मुंबई अगले मार्च में परिचालन में आ जाएगा), एएएचएल का 23 प्रतिशत यात्री आगमन और भारत के हवाई कार्गो यातायात का 30प्रतिशत हिस्सा है।

भगवा शासित राज्यों में हो रहे परीक्षा में बड़े घोटाले : जैस्मीन शाह

» नीट रिजल्ट मामले में आप ने की एसआईटी जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एनईईटी-यूजी में कथित अनियमितताओं की हाईकोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग की। आप ने कहा कि यह देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर मामला है। आप नेता जैस्मीन शाह ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि परीक्षा में बड़े घोटाले की ओर इशारा करने वाले ज्यादातर आरोप भगवा पार्टी द्वारा शासित राज्यों से आए हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की पहली रिपोर्ट बिहार और गुजरात से आई थी। फिर पता चला कि 67 टॉपर्स में से छह हरियाणा के झज्जर के एक ही सेंटर से थे।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट के नतीजे मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा घोषित किए गए। शाह ने आरोप लगाया, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी पेपर लीक और उसके दायरे के सवालों पर चुप है, जो व्यापक हो सकता है। फिर, कुछ छात्रों को दिए गए ग्रेस अंक भी समझ से बाहर हैं और इसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस मामले में देश के युवाओं के साथ पूरी तरह से खड़ी है, क्योंकि यह लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हम सभी अनियमितताओं की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग करते हैं, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

इरफान सोलंकी को रिमांड पर लेगी ईडी पूछताछ की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । आगजनी के मामले में सात साल की सजा होने के बाद कानपुर के सीसामऊ से विधायक इरफान सोलंकी को अपनी संपत्तियों से भी हाथ धोना पड़ सकता है। इरफान के खिलाफ मनी लांड्रिंग के आरोपों की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्तियों को चिन्हित कर लिया है। इन संपत्तियों को ईडी इरफान को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने के बाद जब्त करने की तैयारी में है।

वहीं दूसरी ओर ईडी को मुंबई की स्लम रिहैबिलेटशन अथॉरिटी ने भी इरफान को आवंटित फ्लैटों की रिपोर्ट भेज दी है। सूत्रों के मुताबिक अथॉरिटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इरफान ने फ्लैट आवंटित होने के बाद आंशिक भुगतान ही किया था। अथॉरिटी के दो फ्लैट इरफान की पत्नी और साले के नाम पर आवंटित हुए थे।

दिल्ली में जल संकट पर नहीं थम रही रार

» एलजी से जलमंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज करेंगे मुलाकात

हरियाणा सरकार ने खारिज किए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भीषम गर्मी के बीच जल का संकट बना हुआ है। लगातार दिल्ली सरकार हरियाणा पर कम पानी छोड़ने का आरोप लगा रही है। इसी मुद्दे पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना से जलमंत्री आतिशी और भारद्वाज मुलाकात करेंगे। पानी भरने के लिए कई इलाकों के लोग दिन भर टैंकर व पेयजल आपूर्ति का इंतजार करने का मजबूर हैं।

दिल्ली में पानी की समस्या को लेकर उपराज्यपाल वी के सक्सेना से जलमंत्री आतिशी और मंत्री सौरभ भारद्वाज 11 बजे एलजी सचिवालय में मुलाकात करेंगे। हरियाणा से कम पानी छोड़ने के मुद्दे पर मुलाकात होगी। दिल्ली सरकार के आरोपों को हरियाणा सरकार ने खारिज किया है। हरियाणा सरकार का कहना है कि वह दिल्ली को तय समझौते के तहत पानी दे रहे हैं। इसमें कोई कोताही नहीं की गई है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के पब्लिसिटी एडवाइजर तरुण भंडारी ने कहा, पानी को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

आप झूठे दोषारोपण कर रही : सचदेवा

वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि आधे-अधूरे आंकड़े का हवाला देकर हरियाणा सरकार पर दोष मढ़ा जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे गए पत्र के लिए जल मंत्री आतिशी की कड़ी निंदा की है। सचदेवा ने कहा है की आतिशी जल संकट को लेकर हरियाणा पर झूठा दोषारोपण करती रही हैं। जल चोरी व पानी की बर्बादी को रोकने की बजाय केवल बयानबाजी की जा रही है। एक से आठ जून के बीच के दिल्ली जलबोर्ड के डाटा को सार्वजनिक किया।

प्रवीण भूषण की पेंटिंग ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के पेंटिंग कलाकर प्रवीण ने विश्व रिकॉर्ड बनाया है। प्रवीण भूषण श्रीवास्तव की चित्रित पेंटिंग द स्पेस लैडर 16 साल (2007-2024) 1104 फीट (334 मीटर) की ऊंचाई के साथ विश्व की सबसे ऊंची पेंटिंग है। चौड़ाई 41 सेमी, जैसा कि इंडिया बुक रिकॉर्ड ने इसी महीने दर्ज करवाया है।

पेंटिंग द स्पेस लैडर को एक काले विशालकाय कैनवास पर चित्रित किया गया है, जिसमें एक्सोप्लैनेट, ग्रहों, आकाशगंगाओं, 19 सभ्यताओं, खोजों, आधुनिक आविष्कारों, विभिन्न देशों के बैनर और झंडे, वनस्पतियों और जीवों आदि की कई तस्वीरें दिखाई गई हैं। तेल, पानी और इनेमल रंगों के प्रयोग से ये चित्र बनाए गए हैं।

रोमांचक मैच में भारत ने पाकिस्तान को धोया

» पंत के बाद बुमराह-पांड्या ने बचाई लाज

» टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया 6 रन से जीती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। ऋषभ पंत की जुझारू पारी के बाद जसप्रीत बुमराह की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के वर्षा से प्रभावित कम स्कोर वाले मैच में यहां जोरदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को छह रन से हराया। भारत के मात्र 120 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम जसप्रीत बुमराह (14 रन पर तीन विकेट) और हार्दिक पंड्या (24 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सात विकेट पर 113 रन ही बना सकी।

अक्षर पटेल (11 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप सिंह (31 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। मोहम्मद सिराज ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 19 रन दिए लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद रिजवान (31) शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा हालांकि कोई बल्लेबाज 15 रन के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम एक समय 14 ओवर में तीन विकेट पर 80 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद गेंदबाजों ने वापसी करते हुए भारत को जीत दिला दी।

नसीम और राउफ ने नहीं बनने दिए रन

भारत इससे पहले नसीम शाह (21 रन पर तीन विकेट) और हारिस राउफ (21 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 19 ओवर में 119 रन पर सिमट गया। मोहम्मद आमिर ने 23 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि शाहीन शाह अफरीदी (29 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट चटकाया। भारत की ओर से पंत ने 31 गेंद में छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाए। उनके अलावा अक्षर पटेल (20) और कप्तान रोहित शर्मा (13) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। भारत ने अंतिम सात विकेट सिर्फ 30 रन जोड़कर गंवाए।

लोगों के आशियानों पर चला योगी का बुल्डोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव अचार संहिता खत्म होते ही कुकरैल रिवर फ्रंट के दायरे में आए मकानों को सोमवार सुबह 7 बजे से तोड़े जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस कार्रवाई के दौरान परिवार बसंतकुंज में मिले नए घर के लिए अकबरनगर से पलायन करने भी लगे है।

इस दौरान अकबरनगर का माहौल बहुत ही तनाव पूर्ण है। लोग जगह जगह भीड़ में खड़े नाराज दिख रहे। जिसके कारण कुछ देर के लिए तोड़फोड़ रोक दी गई। इस अभियान की कमान लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी ने संभाल रखी। निर्माण तोड़ने के लिए रविवार रात को ही 10 जेसीबी व छह पोकलैंड अकबरनगर पहुंच गई हैं। एलडीए वीसी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पुलिस अफसरों के साथ गली-गली मार्च कर आवंटियों से बसंतकुंज में नए घरों का कब्जा लेने और अकबरनगर के पुराने घर खाली करने की अपील भी की है। उधर, एलडीए ने जिन परिवारों एक-एक और जिनको दो-दो मकान आवंटित किए हैं, उसका पूरा विवरण होर्डिंग्स के जरिये प्रदर्शित किया है।

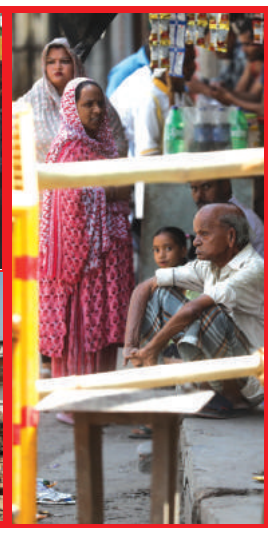

पूरे बिहार का विकास करवाएं नीतीश व चिराग : पप्पू यादव

» बोले- रहम ओ करम पर चलेगी एनडीए की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पप्पू यादव ने कहा कि अब सरकार एनडीए की नहीं बल्कि इंडिया की होगी। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चिराग पासवान पर भी उन्होंने तंज कसा। पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश जी और चिराग जी आपके भरोसे और आपके रहम ओ करम पर एनडीए की सरकार है। आप चरण पादुका भी कर लिए हैं। तो आप सबसे पहले 69प्रतिशत जो आरक्षण दिये हैं देश में उसको लागू करवाइए। दूसरा जाति जनगणना लागू करवाइए। तीसरा विशेष राज्य का दर्जा दीजिए।

विशेष पैकेज लीजिए। और जो बिहार में पलायन की स्थिति है बाढ़ की स्थिति है, हाईडेम बनवाईये। अधिक से अधिक एयरपोर्ट हो, पूर्णिया में हो, इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़े, आप करिए डेवलपमेंट मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक डेवलपमेंट हो।

पप्पू यादव ने राहुल और प्रियंका गांधी को अपना आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि मेरी आईडियोलॉजी निश्चित रूप से राहुल गांधी प्रियंका गांधी जी की है। उन्होंने बिना नाम लिए महागठबंधन के नेताओं से सवाल पूछा कि जिस तरह से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ा गया उस तरह से बिहार में चुनाव क्यों नहीं लड़ा गया? आप कई सीटों पर बहुत ही कम वोटों से हारे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि यूपी में अखिलेश कुमार, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने लगातार संघर्ष किया। राहुल गांधी जहां-जहां अपनी यात्रा में गए हैं वहां वहां देख लीजिए। मीसा भारती के चुनावी प्रचार में गये और वहां का आप नतीजा देख लीजिये।

कांग्रेस कभी संख्या नहीं देखती, सभी दलों का था सम्मान : सुले

मुंबई। मोदी कैबिनेट में अजित पवार वाली एनसीपी के किसी भी नेता को कोई जगह नहीं मिली। इसको लेकर शरदचंद्र पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने तंज कसा। उन्होंने सोमवार को कहा कि वह इस बात से हैरान नहीं हैं कि अजित पवार के पार्टी के किसी भी नेता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। शरद पवार की बेटी और बारामती की सांसद ने कहा कि एनडीए मंत्रिमंडल की पहली बैठक हो रही है। उन्हें किसानों का पूरा कर्ज माफ करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, यूपीए के दौरान एनसीपी ने मनमोहन सिंह सरकार में सहयोगी के तौर पर काम किया था। मनमोहन जी ने पवार साहब के प्रति प्रेम और भरोसा दिखाया और उन्हे कैबिनेट मंत्री पद मिला जबकि पार्टी के पास उस समय केवल आठ या नौ सांसद थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संख्या के बारे में नहीं सोचा और अपनी पार्टी को सहयोगी के रूप में सम्मान दिया। सुले ने आगे कहा कि महा विकास अघाड़ी सरकार में भी सभी ने एक दूसरे को एक बराबर सम्मान दिया। हम किसी फॉर्मूले पर नहीं डटे रहे। हमारा रिश्ता आपसी सम्मान और योग्यता पर आधारित था। सांसद ने कहा कि उन्हें इस बात पर कोई हैरानी नहीं है कि एनसीपी को नए मंत्रिमंडल में कोई जगह नहीं मिली।

आप को मिली सुप्रीम राहत

» अब 15 जून को नहीं खाली करना होगा पार्टी दफ्तर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को दफ्तर खाली करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के लिए अपना राउज़ एवेन्यू पार्टी कार्यालय 10 अगस्त तक खाली करने का समय बढ़ा दिया। यह आदेश तब पारित किया गया जब आप ने एक आवेदन दायर किया था जिसमें अदालत द्वारा खाली करने के लिए तय की गई पिछली समय सीमा को बढ़ाने की मांग की गई थी।

आप राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त होने के कारण केंद्र से अपने कार्यालय के लिए जगह आवंटित करने की मांग कर रही है। पार्टी को दिल्ली के राउज एवेन्यू स्थित अपना मौजूदा कार्यालय 15 जून तक खाली करने को कहा गया है। पीठ ने स्पष्ट किया कि विस्तार अंतिम अवसर के रूप में दिया गया है और यह पार्टी द्वारा दिए गए समय के अधीन होगा। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री को एक वचन पत्र कि वे 10 अगस्त, 2024 को या उससे पहले संपत्ति (प्लॉट नंबर 306, राउज़ एवेन्यू, दिल्ली) का खाली और शांतिपूर्ण कब्ज़ा सौंप देंगे। पीठ ने आदेश में कहा कि प्रश्नगत परिसर वर्ष 2020 में पहले ही दिल्ली उच्च न्यायालय को आवंटित किया जा चुका है और आवेदक के कब्जे की निरंतरता के कारण, दिल्ली उच्च न्यायालय का विस्तार न केवल रुका हुआ है, बल्कि लागत अनुमान भी हर साल बढ़ रहा है।

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को होगा उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बिहार, बंगाल, मप्र समेत 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। 13 सीटों पर उपचुनाव के लिए 10 जुलाई को मतदान होगा। 10 जुलाई को बिहार की एक, बंगाल की 4, तमिलनाडु की 1, मध्य प्रदेश की 1, उत्तराखंड की 2, पंजाब की 1, हिमाचल की 3 सीटों पर मतदान होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, इन सीटों पर इन सीटों पर नोटिफिकेशन 14 जून को जारी होगा।

नामांकन की आखिरी तारीख 21 जून होगी। नामांकन की स्क्रूटनी 24 जून को होगी। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 26 जून तय की गई है। वोटिंग 10 जुलाई को होगी। नतीजे 13 जुलाई को आएंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि उपचुनाव 15 जुलाई से पहले पूरे होने हैं।

ट्रक में घुसी बस, चार श्रद्धालुओं की मौत

» पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा कई लोग घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को भीषण हादसा हुआ। एक्सप्रेस-वे पर बरेसर थाना क्षेत्र के मुस्सेपुर गांव के पास खड़े हाइवा (ट्रक) में अयोध्या से आ रही बस घुस गई। हादसे में बस में सवार 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें अब तक चार के मरने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। घायलों को मऊ और गाजीपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच पुलिस टीम की मदद से वाहनों को हाईवे से हटाया गया। साथ ही सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि घायलों को मऊ और गाजीपुर जिला अस्पताल भेजा गया है। अब तक चार लोगों के मौत होने की खबर है। मृतकों की पहचान की जा रही है। बस में अलग-अलग इलाके के 25 लोग सवार थे, जो अयोध्या से दर्शन कर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि बस बिहार के विक्रमगंज जा रही थी। सुबह पांच बजे बरेसर थाना क्षेत्र के मुस्सेपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर खड़े हाइवा (ट्रक) में पीछे से घुस गई।

घाघरा नदी में डूबने से एक ही परिवार के चार लोगों की जान गई

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। पढ़ुआ थाना क्षेत्र के तेलियार में एक ही परिवार के पांच सदस्य घाघरा नदी में डूब गए। इनमें 12 साल के बालक समेत चार की मौत हो गई। जबकि 12 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक गांव बोकरिहा निवासी पच्चो देवी (50 वर्ष), टिया (17 वर्ष) पुत्री सुबोध, कान्हा (12 वर्ष) पुत्र निर्मल, नैनी पुत्री निर्मल, सत्यम (26 वर्ष) पुत्र मित्तल अपनी रिश्तेदारी में तेलियार आए थे। यहां ये सभी सोमवार सुबह घाघरा नदी में नहाने गए थे। बताते हैं कि नदी में नहाते समय मोबाइल से रील भी बनाई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।